सत्यमेव जयते

தமிழ் அரிச்சுவடி

तमिल भाषा प्रवेशिका

TAMIL PRIMER

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

1. प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें
2. क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें
3. स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें
4. लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें
5. उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें– https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

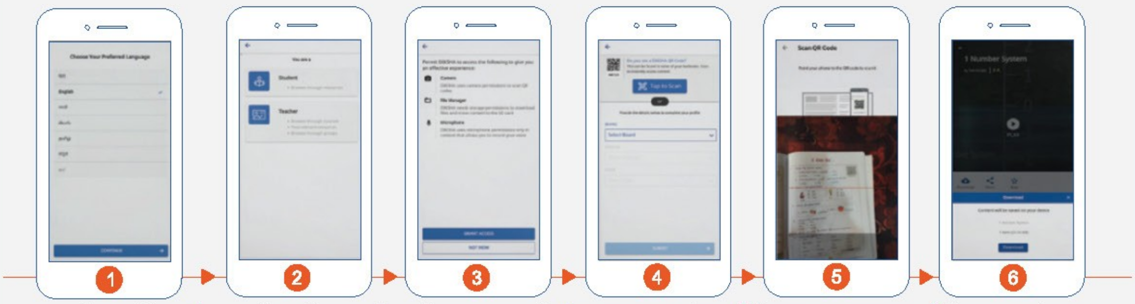

1. अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें
2. अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी
3. पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें
4. क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें
5. कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें
6. क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें– https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

" जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।"

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

தமிழ் அரிச்சுவடி

तमिल भाषा प्रवेशिका

TAMIL PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

தமிழ் அரிச்சுவடி

तमिल भाषा प्रवेशिका

TAMIL PRIMER

A basal reader of Tamil alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Ramanujam Meganathan
Prem Kumar L.R.

ISBN: 978-81-971106-3-4

First Edition: July, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Shwetha K
Cover Photo: Tamil Language Resource Persons

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

शिक्षा मंत्री
भारत सरकार
Minister of Education
Government of India

संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
E-mail : minister.sm@gov.in

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy

सत्यमेव जयते

संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चो में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

124 'सी' विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001
124 'C' Wing, Shastri Bhawan, New Delhi-110001
Telephone: +91-11-23382587, +91-11-23381104 Fax : +91-11-23387589
E-mail: secy.sel@nic.in

प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित होंगे।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर्स) का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों; जैसे- बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

जुलाई 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका / Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

பாரதம் பல ஆண்டுகளாக மொழிகள் பல பேசும் நாடாக இருந்து வருகிறது, நாட்டின் பல்வேறு பகுதிகளில் மொழிகள் பல பேசப்படுகின்றன. எங்கள் வாய்மொழித் தொகுப்பில் பல மொழிகளைப் பயன்படுத்துவது நாட்டின் பொதுவான பண்பு; இப்பண்பு நம்மை ஒன்றாக இணைக்கிறது. தேசியக் கல்விக் கொள்கை (NEP) 2020ல் பாரதத்தின் பன்மொழி தன்மையானது, நாட்டின் சமூக-கலாச்சார, பொருளாதார மற்றும் கல்வி வளர்ச்சிக்குப் பயன்படுத்தப்பட வேண்டிய மிகப்பெரிய சொத்து என்ற

கருத்தை வலுவாக வலியுறுத்துகிறது. ஒவ்வொரு நிலையிலும் கல்வியில் பன்மொழி தன்மையானது மொழியை மேம்படுத்துவதையே பரிந்துரைக்கிறது, இதனால் கற்பவர்கள் தங்கள் சொந்த மொழியில்(களில்) படிக்கும் வாய்ப்பைப் பெறுகிறார்கள். அனைத்து பாரதிய மொழிகளிலும் கற்பித்தல்-கற்றல் பொருட்களை உருவாக்குவது, இந்த பன்மொழிச் சொத்தை உயர்த்தி, 'விக்சித் பாரத்'க்குச் சிறந்த பங்களிப்பை வழங்கும். NEP 2020 உடன் சீரமைக்க ஆரம்ப-தரப் பாட நூல்களை உருவாக்குவதற்கு இந்தியாவில் உள்ள ஒவ்வொரு பிராந்தியத்தின் தனித்துவமான மொழியியல் மற்றும் கலாச்சாரப் பண்புகளை நிவர்த்தி செய்ய விரிவான மற்றும் உள்ளடக்கிய அணுகுமுறை தேவைப்படுகிறது. இந்த ஆரம்பப் பாட நூல்கள் படிப்பதிலும் எழுதுவதிலும் மொழித் தேர்ச்சியை வழங்குவதோடு மட்டுமல்லாமல், ஆரம்ப நிலைக் கல்வி கற்பவர்களிடையே படைப்பாற்றல் மற்றும் விமர்சனச் சிந்தனையை வளர்ப்பதை நோக்கமாகக் கொண்டுள்ளன. ஒரு மொழியின் எழுத்துக்கள் மற்றும் அதன் வடிவங்களை உச்சரிப்பதற்கும், அங்கீகரிப்பதற்கும், புரிந்து கொள்வதற்கும் இது ஒரு திறவுகோலாகும். வார்த்தையின் ஆரம்ப, இடைநிலை மற்றும் இறுதி நிலைகளில் உள்ள எழுத்துக்கள், அவற்றின் சேர்க்கைகள் மூலம் இந்த எழுத்துக்களின் ஒன்று அல்லது அதற்கு மேற்பட்ட தொகுப்புகளின் பொருளையும் இது குழந்தைகளுக்கு அறிமுகப்படுத்துகிறது. மேலும், இது பின்னர் அறிமுகப்படுத்தப்பட்ட கடிதங்களை எழுதும் பயிற்சியை எளிதாக்கும் எடுத்துக்காட்டுகளை வழங்குகிறது; மற்றும் குழந்தைப் பாடல்கள் மாணவர்களின் மொழி வளர்ச்சி மற்றும் அறிவாற்றல் திறன்களுக்கு உதவும்.

जुलाई 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Tamil Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra Prasad Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET), NCERT, New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru
Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Member Coordinator

Prem Kumar L.R, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Member Co-coordinators

Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
D. Jenifer, Junior Resource Person, SPPEL, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Tamil Bharathan T K, Special Centre for Tamil Studies, Jawaharlal Nehru University, New Delhi
K. Jayabharathi, Doctoral Research Scholar, Periyar Maniammai Institute of Science and Technology, Vallam, Thanjavur
R. Amudha, Senior Resource Person-II, (Tamil) Linguistics Data Consortium for Indian Languages (LDC-IL), CIIL, Mysuru
S. Tamilselvam, Resource Person (Teaching) in Tamil, Southern Regional Language Centre (SRLC), CIIL, Mysuru
S. Sundarrajan, Resource Person (Teaching) in Tamil, SRLC, CIIL, Mysuru

Reviewers

Shantanu Kumar, Junior Resource Person, (Maithili), LDC-IL, CIIL, Mysuru
Ankita Tiwari, Resource Person, (Hindi), LDC-IL, CIIL, Mysuru
Kamaraj S, Junior Resource Person-II, (Tamil), LDC-IL, CIIL, Mysuru

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, RP (Teaching) in Bodo, North Eastern Regional Language Centre (NERLC), (CIIL), Guwahati
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

தமிழ் அரிச்சுவடியைப் பயன்படுத்தும் முறை

தேசியக் கல்விக் கொள்கை 2020, தேசியக் கலைத்திட்ட வடிவமைப்பு 2022 ஆகியவற்றின் கீழ், மூன்றிலிருந்து எட்டு வயது வரையிலான குழந்தைகளுக்குத் தாய்மொழி, வீட்டுப் பயன்பாட்டு மொழி, உள்ளூர் மொழி, வட்டார மொழி ஆகியவற்றில் கல்வி அளிப்பதற்கான வாய்ப்புகள் செய்யப்பட்டுள்ளன. கற்பவரின் தாய்மொழியில் கல்வி அளிப்பதில் பல நன்மைகள் உள்ளன. இது குழந்தைகளிடம் தம் தாய்மொழியின் மீதான ஈர்ப்பை வளர்க்கிறது.

இக்கண்ணோட்டத்தில், 3 முதல் 6 வயது வரையிலான குழந்தைகளுக்கு அங்கன்வாடியிலும், தொடக்கப்பள்ளியிலும் குழந்தைகளுக்கு அடிப்படை எழுத்தறிவை வழங்க மத்திய அரசு ஏற்பாடு செய்துள்ளது. இங்கு பாடல்கள், கதைகள் ஆகியவற்றின் மூலம் குழந்தைகளைப் பாடி ஆடச் செய்து, பேச்சுமொழித் திறனை வளர்ப்பதில் கவனம் செலுத்தப்படுகிறது. கதை சொல்லல், உரையாடல் பயிற்சி ஆகியன மூலமும் இது செயல்படுத்தப்படுகிறது. இதனுடன், குழந்தைகளுக்கு ஒலி அறிமுகம், எழுத்துகளின் அறிமுகம், வாசிப்பு, எழுத்துப் பயிற்சி ஆகிய திறன்களை வளர்ப்பதற்காக இப்புத்தகம் உருவாக்கப்பட்டுள்ளது.

அங்கன்வாடிக்குச் செல்லும் குழந்தைகளிலிருந்து மூன்றாம் வகுப்பு வரை உள்ள குழந்தைகளுக்குத் தாய்மொழியில் கற்பிப்பதன் மூலம் அவர்களின் அறிவு வளர்ச்சியுடன் படைப்பாற்றலையும், கற்பனைத்திறனையும் வளர்க்க முடியும். குழந்தைகள் தங்கள் தாய்மொழியில் வாசிக்கவும் எழுதவும் கற்றுக்கொள்வதோடு, தமிழைப் படிப்படியாகக் கற்கவும், ஆங்கிலத்திலும் ஹிந்தியிலும் வாசிக்கவும், எழுதுவதற்குமான வழிமுறைகள் தேசியக் கலைத்திட்ட வடிவமைப்பு 2022-இல் விரிவாகக் குறிப்பிடப்பட்டுள்ளது. குழந்தைகள் அன்றாடம் பயன்படுத்தும் கலைச்சொற்கள், பண்பாடு, சூழல் ஆகியவற்றிலிருந்து சேகரிக்கப்பட்டு இந்நூலில் பயன்படுத்தப்பட்டுள்ளது.

குழந்தைகளைத் தாய்மொழியில் படிக்கவும், எழுதவும் வேண்டிய திறனை மேம்படுத்துவதே இப்பன்மொழிக் கல்வியின் அடிப்படைக் குறிக்கோளாகும். குழந்தைகளுக்கும், ஆசிரியர்களுக்கும் பயன்படும் வண்ணம் உருவாக்கப்பட்டுகிறது. அடிப்படைக் கல்வியறிவுக்கு நான்கு முதன்மைப் படிநிலைகள் உள்ளன. முதலாவது படிநிலையில், குழந்தைகளின் அறிவுசார் வளர்ச்சிக்கென படங்களுடன் கூடிய கதைகள் பயன்படுத்தப்படுகின்றன. அதன் பிறகு, மொழி கற்பித்தலுக்கு, பொருள்களும், பொருள் தொடர்பான சொற்களும் குழந்தைகளுக்கு அறிமுகப்படுத்தப்படுகின்றன. அச்சொற்களில் உள்ள எழுத்துகளைக் குழந்தைகள் அடையாளம் கண்டுகொள்ள வேண்டும். இந்நிலையில், குழந்தைகள் தனிப்பட்ட

எழுத்துகளின் குறியீடுகளையும், எழுத்துகளில் பொதிந்திருக்கும் உள்ளார்ந்த பொருள்களையும் அறிந்துகொள்கிறார்கள். இவ்வாறு குழந்தைகள் உள்ளார்ந்த பொருளை அறிந்துகொள்வதன் மூலம் ஒலிக்கும் எழுத்துகளுக்கும் இடையிலான தொடர்பைப் புரிந்துகொள்கிறார்கள். இம்மொழிக்கல்விப் புத்தகத்தை எவ்வாறு வாசிக்க வேண்டும் என்பதற்கான அடிப்படைக் குறிப்புகள் கீழே கொடுக்கப்பட்டுள்ளன.

ஒலி அறிமுகம்: குழந்தைகள் ஒவ்வொரு படத்தையும் கவனித்து, அதனுடன் தொடர்புடைய பொருளைப் பெயரால் அடையாளம் காண்பார்கள். படத்துடன் தொடர்புடைய சொல்லின் தொடக்க ஒலியை அடையாளம் காண ஆசிரியர்கள் மாணவர்களைத் தூண்டுவார்கள். எடுத்துக்காட்டாக, 'அம்மா' வின் படத்தைக் காட்டும்போது, அது /அ/ என்ற ஒலியுடன் தொடங்குகிறது என்பதைக் குழந்தைகள் அடையாளம் கண்டுகொள்வார்கள்.

எழுத்துகளின் அறிமுகம்: தொடக்கத்தில், ஆசிரியர் 'அ' என்ற எழுத்தைக் குழந்தைகளுக்கு அதன் வடிவத்தைப் படமாகக் காட்டி அறிமுகப்படுத்துவார். பின்னர், கொடுக்கப்பட்ட வெவ்வேறு சொற்களின் தொகுப்பில் 'அ' என்ற எழுத்தைக் கண்டறிய குழந்தைகள் தூண்டப்படுவார்கள். இதைத் தொடர்ந்து, குழந்தைகள் 'அ' என்ற எழுத்துடன் தொடர்புடைய ஒலியை மூன்று அல்லது அதற்கு மேற்பட்ட சொற்களில் உச்சரித்து, 'அ' என்ற எழுத்தை எழுதிப் பழகக் கையெழுத்துப் பயிற்சியில் ஈடுபடுவார்கள்.

வாசித்தல்: குழந்தைகள் படங்களைப் பார்த்து தங்கள் தாய்மொழியில் உள்ள சொற்களைக் கூறுவர். அவர்கள் 'மரம்' போன்ற சொற்களைத் தங்கள் விரலை இடமிருந்து வலமாகச் சொற்களின் மீது நகர்த்தி அவற்றை வாசிக்கக் கற்றுக்கொள்வர். 'ம' என்ற எழுத்தைக் கொண்ட பல்வேறு சொற்களைப் பயிற்சி செய்வதன் மூலம், குழந்தைகள் /ம/ ஒலியை அடையாளம் கண்டு உச்சரிக்கும் திறனை வளர்த்துக் கொள்வார்கள். சொற்களின் முதல், இடை, இறுதி நிலைகளில் 'ம' என்ற எழுத்து இடம்பெறுவதை அடையாளம் காணச் செய்து வெவ்வேறு சொற்களில் அவ்வெழுத்து எந்த இடத்தில் இடம்பெறுகிறது என்பதைக் குறித்தும் ஆசிரியர் மாணவர்களுக்கு நன்கு புரிய வைப்பார்.

மேலும், ஆசிரியர் கரும்பலகையில் /ம/ என்ற எழுத்தை எழுதி, 'மரம்' என்ற சொல்லையும் அதனுடன் மூன்று அல்லது அதற்கு மேற்பட்ட சொற்களையும் எழுதுவார். குழந்தைகள் ஒவ்வொருவராக அழைக்கப்படுவார்கள். குழந்தைகளுக்குப் பழக்கமான சூழல்களில் இருந்து எடுக்கப்பட்ட இச்சொற்களை, வாசிப்புப் பயிற்சிக்கும் எழுத்துகளை இனங்காணும் பயிற்சிக்கும் பயன்படுத்த வேண்டும். குழந்தைகள்

இச்சொற்களைப் புத்தகத்தில் உள்ள படங்களுடன் இணைத்து அடையாளம் காண்பர். ஆசிரியர் ஒரு சொல்லை எழுதி, அதில் உள்ள ஒவ்வொரு எழுத்தையும் தனித்தனியாக வாசிக்கும்படி குழந்தைகளைத் தூண்டுவார், அதைத் தொடர்ந்து எழுத்துகளை ஒன்றோடொன்று கூட்டி, சொல்லை முழுவதுமாக வாசிப்பார்.

எழுதுதல்: தொடக்கத்தில், ஆசிரியர்கள் குழந்தைகளுக்கு எழுத்துகளை அறிமுகப்படுத்துவதற்கு முன், செங்குத்துக்கோடு, படுக்கைக்கோடு, சரிவுக்கோடு மற்றும் வளைவுக்கோடுகளை எவ்வாறு வரைய வேண்டும் என்று குழந்தைகளுக்குக் கற்பிப்பார். எழுத்துகளை அறிமுகப்படுத்திய பின்பு, ஆசிரியர்கள் குழந்தைகளுக்கு 'அம்மா' என்ற சொல்லில் 'அ' என்ற எழுத்தை எவ்வாறு எழுத வேண்டும் என்று கற்றுக்கொடுப்பார். மேலும் அவர்கள் பேனா அல்லது பென்சிலை எவ்வாறு சரியாக நகர்த்த வேண்டும் என்பதை விளக்குவதுடன் எழுதுவதற்கும் உதவுவார்கள். இக்கற்பித்தல் உத்தி 'எழுதுவதற்கு உதவுதல்' என்று அழைக்கப்படுகின்றது. இதன்பிறகு, இந்த அரிச்சுவடிப் பாடநூலில் கொடுக்கப்பட்டுள்ள எழுத்துகளின் மீது தாங்களே எழுதிப் பயிற்சி செய்வார்கள். இந்தச் செயல்பாடின் வழியாக வாசிக்கவும், எழுதவும் குழந்தைகளுக்கு ஆசிரியர்கள் வழிகாட்டுவார்கள்.

இவற்றுடன், ஆசிரியர் கதைப் புத்தகங்களில் இருந்து கதைகளை வாசித்து, குழந்தைகள் எளிதில் புரிந்துகொள்ளக்கூடிய மொழிநடையில் அக்கதைகளை அவர்களுடன் விவாதிப்பார்கள். இவ்வாறு செய்வதன் மூலமாக, அங்கன்வாடி I, II, III ஆகிய அடிப்படை நிலைகள் அல்லது ஆயத்த நிலைகளில் உள்ள குழந்தைகள் கதைகளை எளிதில் புரிந்து கொள்வார்கள். கவிதைகளை இராகத்துடன் பாடல் வடிவில் அவரவர் தாய்மொழியில் கற்றுக்கொடுக்கும்போது அவை குழந்தைகளுக்கு மிகவும் பிடித்ததாக இருக்கும். ஏற்கனவே குழந்தைகள் நூற்றுக்கணக்கான சொற்களை நன்கு அறிந்திருப்பதால், இந்நூலில் வழங்கப்பட்டுள்ள சொற்களையும், எழுத்துகளையும் எளிமையாகக் கற்றுக்கொள்ளவும், எழுத்தறிவினைப் பெற்றிடவும் உதவிடும் என்பதில் ஐயமில்லை.

கீழுள்ள கோடுகளைப் பார்த்துக் கொடுக்கப்பட்டுள்ள இடங்களில் வரைய முயற்சிக்கவும்

செங்குத்துக்கோடு :

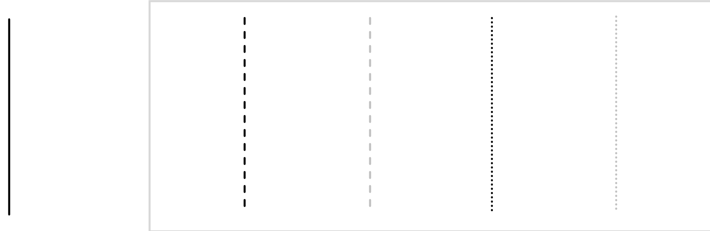

படுக்கைக்கோடு :

வலது சரிவுக்கோடு :

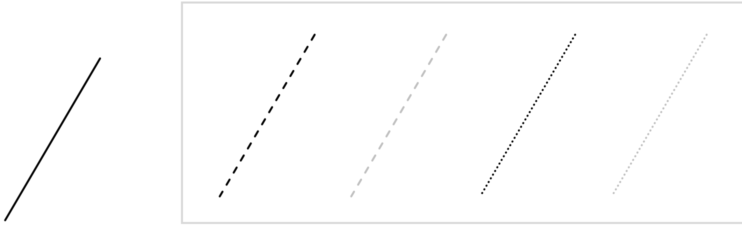

இடது சரிவுக்கோடு :

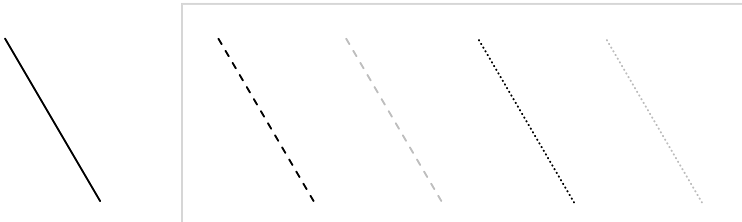

வலது வளைவுக்கோடு :

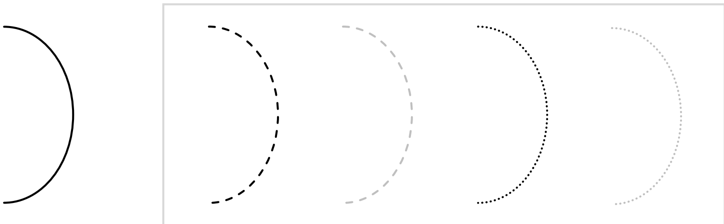

இடது வளைவுக்கோடு :

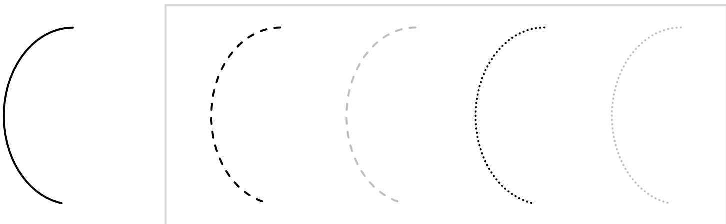

குறிப்பு: பேனா அல்லது பென்சிலைப் பிடித்து, கொடுக்கப்பட்டுள்ள இடத்தில் எப்படி வரைய வேண்டும் என்பதை ஆசிரியர் கற்றுக்கொடுப்பார்.

தமிழ் அரிச்சுவடி

உயிர் எழுத்துகள்					
அ	ஆ	இ	ஈ	உ	ஊ
எ	ஏ	ஐ	ஒ	ஓ	ஔ

மெய் எழுத்துகள்				
க்	ங்	ச்	ஞ்	ட்
ண்	த்	ந்	ப்	ம்
ய்	ர்	ல்	வ்	ழ்
ள்	ற்	ன்		

அ

அம்மா

माँ

அன்பை நாளும் பொழியும்,
அமுதசுரபி அம்மா!
அற்புத முத்தாய் விளங்கும்,
அதிசயமே அம்மா!

அதிரசம்	அன்னம்	அணில்
अनरसा	हंस	गिलहरी

அ அ அ

ஆ

ஆடு

बकरी

குட்டை வால் ஆட்டுக்குட்டி,
குறும்புக்கார ஆட்டுக்குட்டி!
பசுந்தழைகள் மேய்ந்துவிட்டு,
பட்டி சேரும் ஆட்டுக்குட்டி!

ஆடை	ஆணி	ஆண்
कपड़ा	कील	पुरुष

ஆ ஆ ஆ

இ

இலை

पत्ता

கிளையில் முளைத்த இலைகள்,
கனிகள் மறைக்கும் இலைகள்!
மரத்திற்கு ஆடை இலைகள்,
மழையில் ஆடும் இலைகள்!

இட்லி	இசைக்கருவிகள்	இனிப்பு
इडली	वाद्ययंत्र	मिठाई

இ இ இ

ஈ

ஈ

मक्खी

இனிப்புப் பண்டம் தேடியே,
மொய்க்க வரும் ஈ!
ஈ மொய்த்த பண்டத்தை,
விலக்கி வை நீ!

ஈச்சம்பழம்	ஈசல்	ஈரம்
खजूर	पतिंगा	गीला

ஈ	ஈ	ஈ	

உ	உணவு
	भोजन
நன்கு நீயும் வளர்ந்திட, நல்ல உணவைத் தேடு! உணவை நாளும் பெற்றிட, உழவை நீயும் நாடு!	

	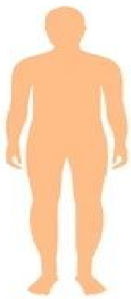	
உப்பு	உடல்	உளி
नमक	शरीर	छेनी

உ	உ	உ	

ஊ

ஊசி

सुई

பிரிந்திருக்கும் பொருட்களை,
பிணைத்து வைக்கும் ஊசி!
நன்றாய் துணிகள் தைக்கவே,
நூலை தேடும் ஊசி!

ஊர்	ஊதல்	ஊதுபத்தி
गाँव	सीटी	अगरबत्ती

ஊ ஊ ஊ

எ

எலி

चूहा

உணவைத் தேடி வீட்டிற்குள்,
மெல்ல நுழையும் எலி!
பூனை சத்தம் கேட்டால்,
பாய்ந்து ஓடும் எலி!

எலுமிச்சை	எருது	எறும்பு
नींबू	साँड़	चींटी

எ எ எ

ஏ

ஏணி

सीढ़ी

ஏணி வைத்து ஏறியே,
சுவற்றில் வெள்ளை அடிக்கலாம்!
படிப்படியாய் ஏறியே,
உயர்ந்த இடத்தை அடையலாம்!

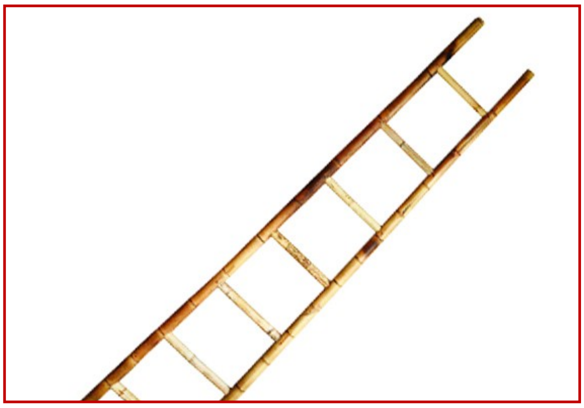

ஏவுகணை	ஏற்றம்	ஏரி
मिसाइल	रहट	झील

ஏ ஏ ஏ

ஐ

ஐவர்

पाँच लोग

ஐவர் நாங்கள் நண்பர்கள்,
ஒன்றாய்க் கூடி ஆடுவோம்!
ஐந்து விரல் போலவே,
ஒன்றுபட்டு வாழுவோம்!

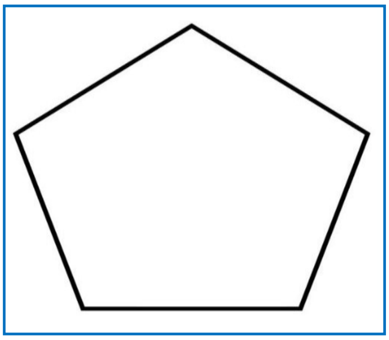

ஐந்திணை	ஐங்கோணம்	ஐம்புலன்கள்
पाँच परिदृश्य	पंचकोण	पाँच इन्द्रियाँ

ஐ ஐ ஐ

ஒ

ஒட்டகம்

ऊँट

விரிந்த பாலைவனத்திலே,
விரைந்து செல்லும் ஒட்டகம்!
பாலைவனப் பயணத்திலே,
பெரிய துணை ஒட்டகம்!

ஒலிபெருக்கி	ஒட்டியானம்	ஒட்டகச்சிவிங்கி
भोंपू	कमरबंद	जिराफ़

ஒ ஒ ஒ

ஒ

ஒணான்

गिरगिट

வேலி மேலே ஒணான்,
எட்டி எட்டிப் பார்க்குது!
நான்கு காலில் ஒடியே,
நாக்கால் உணவைப் பிடிக்குது!

ஒமவல்லி	ஒட்டுநர்	ஒடம்
अजवाइन का पौधा	चालक	नौका

ஒ ஒ ஒ

ஔ

ஔவையார்

अव्वैयार

ஆத்திச்சூடி அருளிய,
எங்கள் ஔவை பாட்டி!
அதியமானும் போற்றிய,
எங்கள் ஔவை பாட்டி!

ஔதநிகன்	ஔடதம்	ஔதசியம்
बावर्ची	दवाई	दूध

ஔ ஔ ஔ

க

கப்பல்

जहाज़

கடலில் மிதக்கும் கப்பல்,
கண்டம் தாண்டும் கப்பல்!
நாட்டின் வளத்தைப் பெருக்கவே,
நாளும் உழைக்கும் கப்பல்!

கரடி	நாகம்	காகம்
भालू	साँप	कौआ

க க க

ங

நுங்கு

ताड़ फल

குலை குலையாய் நுங்கினை,
கூட்டமாய் நோண்டி உண்ணுவோம்!
கோடை வெப்பம் தணிந்திட,
குளிர்ந்த நுங்கை நாடுவோம்!

குரங்கு	மாங்காய்	தேங்காய்
बन्दर	आम	नारियल

ங ங ங

ச

சங்கு

शंख

எங்கள் தமிழ் இனிதென்று,
என்றும் சங்கை முழங்கு!
அமைதி எங்கள் வழியென்று,
அன்பாய் சங்கை முழங்கு!

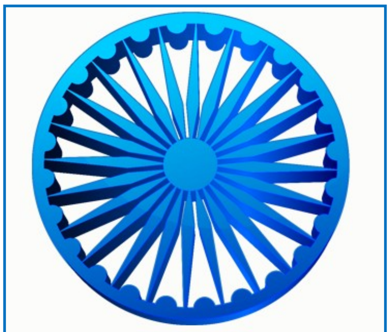

சக்கரம்	சட்டை	ஊஞ்சல்
चक्र	कमीज़	झूला

ச ச ச

ஞ

ஞானி

संत

அறிவால் உயர்ந்த ஞானி!
அன்பால் உயர்ந்த ஞானி!
உண்மை உணர்ந்த ஞானி!
உலகம் அறிந்த ஞானி!

ஞாலம்	இஞ்சி	மஞ்சள்
पृथ्वी	अदरक	पीला

ஞ ஞ ஞ

ட

பட்டம்

पतंग

ஆடிக்கொண்டே பறக்குதுபார்,
ஆகாயத்தை எட்டிய பட்டம்!
காற்றிலேறிப் பறக்குதுபார்,
கயிற்றில் கட்டிய பட்டம்!

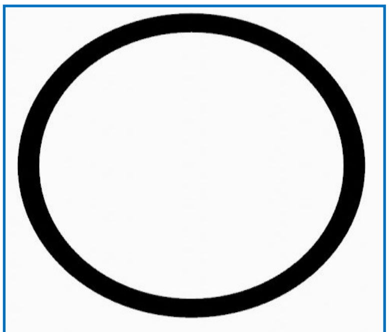

டமாரம்	வட்டம்	பெட்டகம்
ढोल	गोला	संदूक

ட ட ட

ண

மணல்

रेत

கடல் பரப்பை ரசித்திட,
கரை மணலில் அமரலாம்!
அலைகள் வந்து தீண்டிட,
கரை மணலில் நிற்கலாம்!

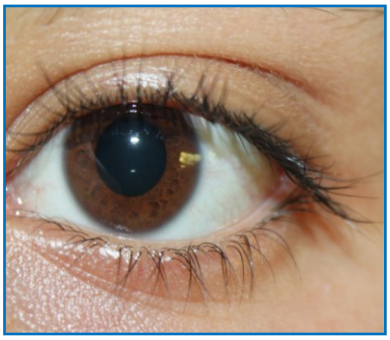

நாணயம்	கண்ணாடி	கண்
सिक्का	दर्पण	आँख

ண ண ண

த

தக்காளி

टमाटर

பறித்து வந்த தக்காளி,
பவளமேனித் தக்காளி!
பழுத்துத் தொங்கும் தக்காளி,
பசியைத் தூண்டும் தக்காளி!

தச்சர்	தண்டவாளம்	பாதம்
बढ़ई	रेल पटरी	पाँव

த த த

ந

நரி

लोमड़ी

ஊளையிட்டு ஓடிவரும்,
தந்திரத்தைக் கொண்ட நரி!
காட்டிலுள்ள விலங்குகளில்,
கூர்புத்தி கொண்ட நரி!

நண்டு	நங்கூரம்	சந்தனம்
केकड़ा	लंगर	चंदन

ந ந ந

# ப	# பம்பரம்
	## लट्टू

ஒற்றைக்காலில் ஆடுதுபார்,
ஒய்யாரப் பம்பரம்!
சிறுவர்கள் ஆடுகின்ற,
சிங்காரப் பம்பரம்!

பற்கள்	பந்து	கம்பம்
दाँत	गेंद	खंभा

ப	ப	ப	

ம	மலர்
	फूल

மணம் வீசும் மலர்களை,
மாலையாய் கட்டுவோம்!
நந்தவனத்து மலர்களை,
நாள்தோறும் சூடுவோம்!

மலை	மயில்	தாமரை
पहाड़	मोर	कमल

ம	ம	ம	

ய

யாழ்

याल

தமிழில் பாட்டுப் பாடியே,
யாழை மீட்டி மகிழ்வோம்!
மயில்கள் போல ஆடவே
யாழை நாமும் மீட்டுவோம்!

யானை	முயல்	வெங்காயம்
हाथी	खरगोश	प्याज

ய ய ய

ர

ரம்பம்

आरी

சருக்கென்ற சத்தத்துடன்,
மரமறுக்கும் ரம்பம்!
துண்டுகள் செய்கின்ற,
தச்சனுடைய ரம்பம்!

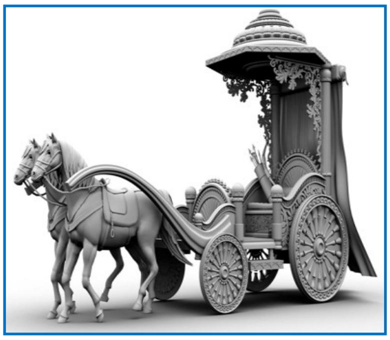

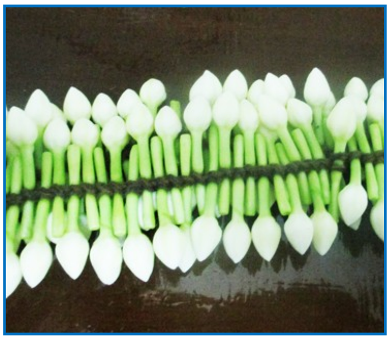

ரதம்	ரசம்	பூச்சரம்
रथ	रसम	गजरा

ர ர ர

ல	லட்டு
	लड्डू

தங்கமான நிறத்திலே,
தட்டு நிறைய லட்டு!
ஆசை தீர உண்ணவே,
அம்மா செய்த லட்டு!

லவங்கம்	சிலம்பு	பாலம்
लौंग	सिलंबु	सेतु

ல	ல	ல	

வ

வண்ணத்துப்பூச்சி

तितली

வண்ண வண்ணப் பூச்சியாம்,
வண்ணத்துப்பூச்சியாம்!
அழகாய் மலரில் அமருமே,
தேனை அருந்தி மகிழுமே!

வடிகட்டி	வலை	அவரைக்காய்
छन्नी	जाल	सेम फली

வ வ வ

ழ

பழம்

फल

சோலை தந்த பழங்களாம்!
சுவை மிகுந்த பழங்களாம்!
சாறு நிறைந்த பழங்களாம்!
சத்து நிறைந்த பழங்களாம்!

குழந்தை	உழவர்	நிழல்
शिशु	हलधर	परछाई

ழ ழ ழ

ள

மிளகாய்

मिर्च

அழகாய் காய்த்த மிளகாய்!
சிவந்து இருக்கும் மிளகாய்!
காரம் நிறைந்த மிளகாய்!
உணவில் குறைவாய் சேர்ப்பாய்!

முள்ளங்கி	சோளம்	இளநீர்
मूली	भुट्टा	डाभ

ள ள ள

ற

பறவை

चिड़िया

சிறகை விரித்துக் காற்றிலே,
பாடி வரும் பறவை!
குஞ்சுகளுடன் கூடியே,
கூட்டில் வாழும் பறவை!

இறகுப்பந்து	முறம்	மயிலிறகு
शटल कॉक	सूप	मोर पंख

ற ற ற

ன

வானம்

आसमान

மேகங்கள் விளையாடும்,
மைதானமாம் வானம்!
ஏறமுடியாத உயரத்தில்,
எல்லையில்லா வானம்!

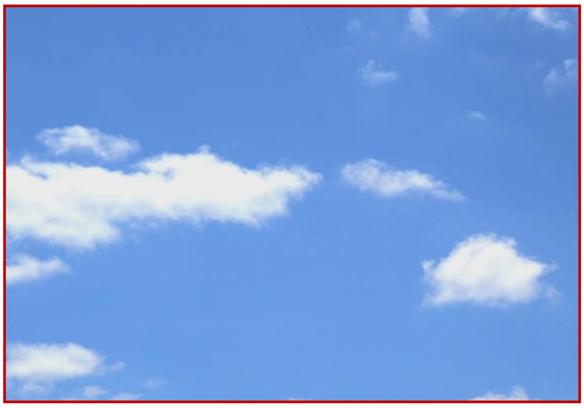

வனம்	வானவில்	விமானம்
वन	इन्द्रधनुष	विमान

ன ன ன

எழுத்து	எழுத்துரு	சொல்	படம்
க்	◌்	மூக்கு	
க	—	கழுகு	
கா	◌ா	காகம்	
கி	◌ி	கிளி	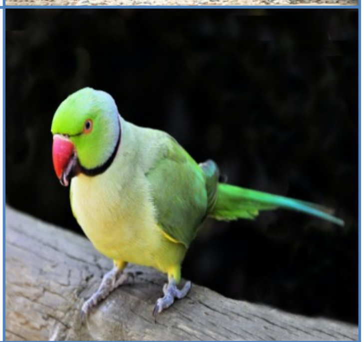
கீ	◌ீ	கீரி	

எழுத்து	எழுத்துரு	சொல்	படம்
கு	◌ு	குரங்கு	
கூ	◌ூ	கூகை	
கெ	ெ◌	கெண்டை மீன்	
கே	ே◌	கேணி	
கை	ை◌	கை	

எழுத்து	எழுத்துரு	சொல்	படம்
கொ	ெ◌ா	கொக்கு	
கோ	ே◌ா	கோட்டை	
கௌ	ெ◌ள	கௌதாரி	

எண்கள்

ஒன்று	एक		1
இரண்டு	दो	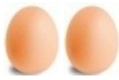	2
மூன்று	तीन		3
நான்கு	चार	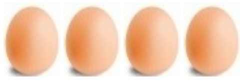	4
ஐந்து	पाँच		5
ஆறு	छह	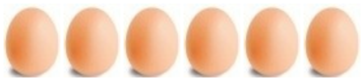	6
ஏழு	सात	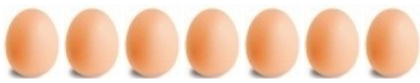	7
எட்டு	आठ	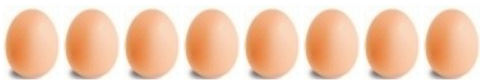	8
ஒன்பது	नौ		9
பத்து	दस	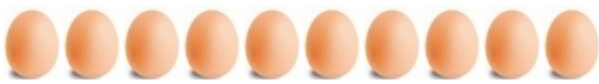	10

எண்கள்

பதினொன்று	ग्यारह	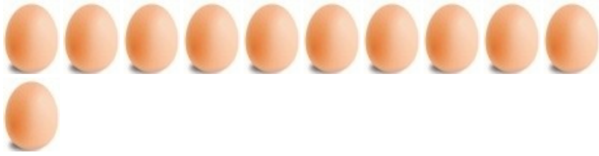	11
பன்னிரண்டு	बारह	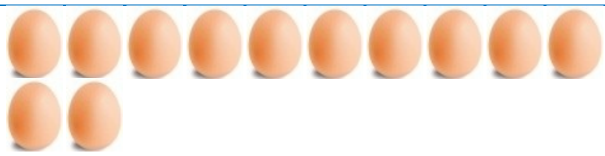	12
பதின்மூன்று	तेरह	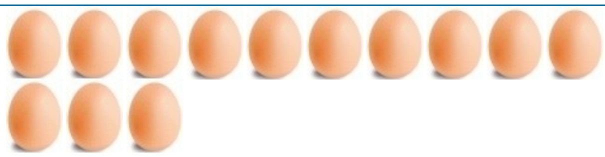	13
பதினான்கு	चौदह	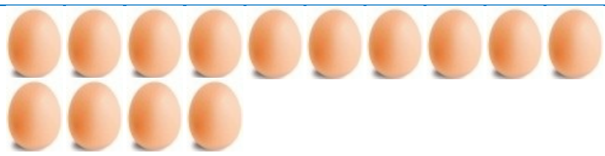	14
பதினைந்து	पंद्रह	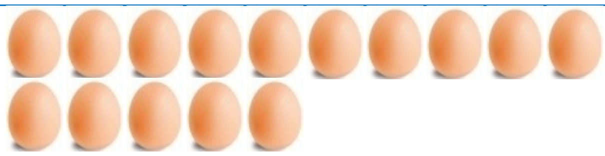	15
பதினாறு	सोलह	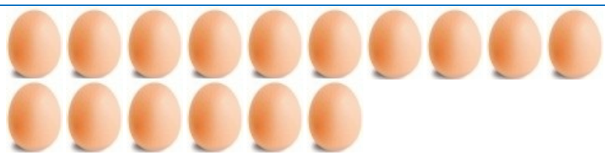	16
பதினேழு	सत्रह	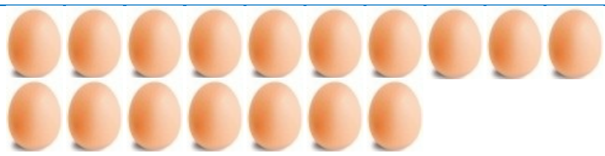	17
பதினெட்டு	अठारह	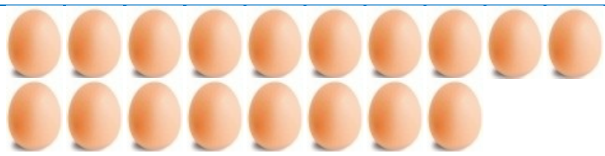	18
பத்தொன்பது	उन्नीस	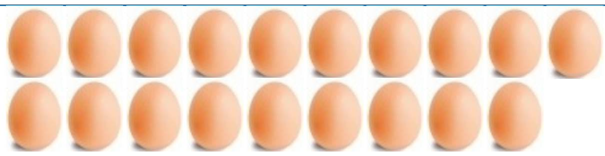	19
இருபது	बीस	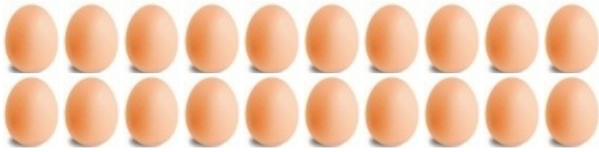	20

1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

தமிழ் எழுத்துகள்

ஃ	அ	ஆ	இ	ஈ	உ	ஊ	எ	ஏ	ஐ	ஒ	ஓ	ஔ
க்	க	கா	கி	கீ	கு	கூ	கெ	கே	கை	கொ	கோ	கௌ
ங்	ங	ஙா	ஙி	ஙீ	ஙு	ஙூ	ஙெ	ஙே	ஙை	ஙொ	ஙோ	ஙௌ
ச்	ச	சா	சி	சீ	சு	சூ	செ	சே	சை	சொ	சோ	சௌ
ஞ்	ஞ	ஞா	ஞி	ஞீ	ஞு	ஞூ	ஞெ	ஞே	ஞை	ஞொ	ஞோ	ஞௌ
ட்	ட	டா	டி	டீ	டு	டூ	டெ	டே	டை	டொ	டோ	டௌ
ண்	ண	ணா	ணி	ணீ	ணு	ணூ	ணெ	ணே	ணை	ணொ	ணோ	ணௌ
த்	த	தா	தி	தீ	து	தூ	தெ	தே	தை	தொ	தோ	தௌ
ந்	ந	நா	நி	நீ	நு	நூ	நெ	நே	நை	நொ	நோ	நௌ
ப்	ப	பா	பி	பீ	பு	பூ	பெ	பே	பை	பொ	போ	பௌ
ம்	ம	மா	மி	மீ	மு	மூ	மெ	மே	மை	மொ	மோ	மௌ
ய்	ய	யா	யி	யீ	யு	யூ	யெ	யே	யை	யொ	யோ	யௌ
ர்	ர	ரா	ரி	ரீ	ரு	ரூ	ரெ	ரே	ரை	ரொ	ரோ	ரௌ
ல்	ல	லா	லி	லீ	லு	லூ	லெ	லே	லை	லொ	லோ	லௌ
வ்	வ	வா	வி	வீ	வு	வூ	வெ	வே	வை	வொ	வோ	வௌ
ழ்	ழ	ழா	ழி	ழீ	ழு	ழூ	ழெ	ழே	ழை	ழொ	ழோ	ழௌ
ள்	ள	ளா	ளி	ளீ	ளு	ளூ	ளே	ளொ	ளை	ளொ	ளோ	ளௌ
ற்	ற	றா	றி	றீ	று	றூ	றெ	றே	றை	றொ	றோ	றௌ
ன்	ன	னா	னி	னீ	னு	னூ	னெ	னே	னை	னொ	னோ	னௌ

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

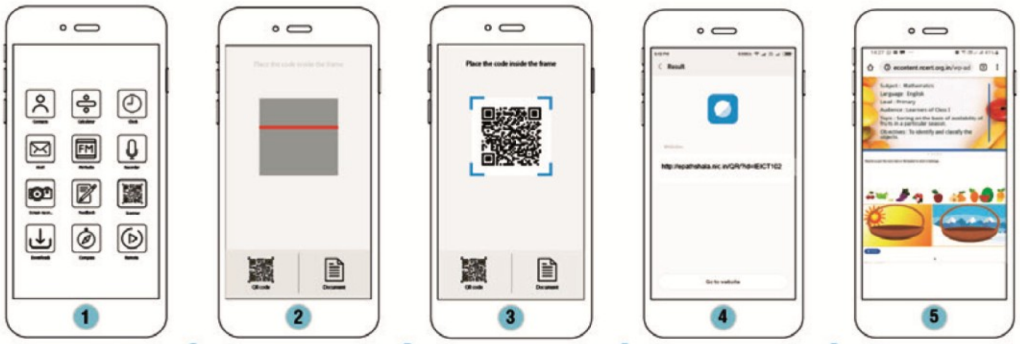

1. Install ePathshala Scanner app from Play Store and open
2. Get ready with QR code scanning window
3. Place scanner above the QR code
4. Select and click on the link
5. Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download DIKSHA app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using DIKSHA

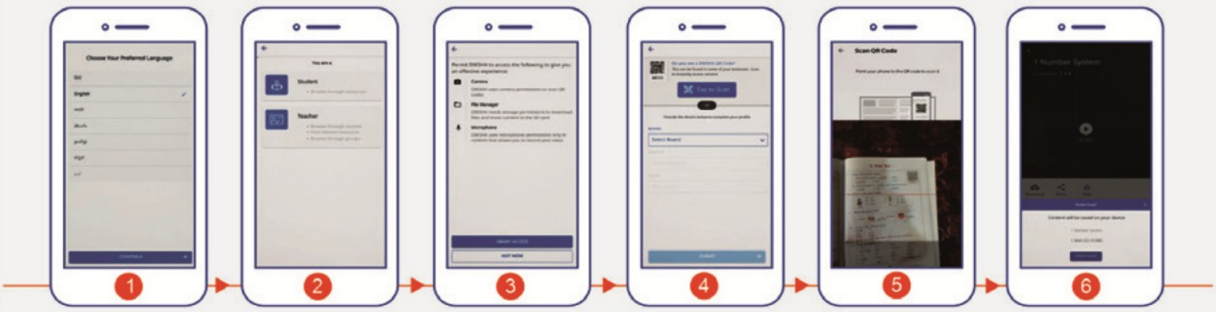

1. Select preferred language
2. Choose your role: Student or Teacher
3. Grant access and allow app permissions
4. Tap to scan the QR code
5. Focus camera on the QR code in textbook
6. Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
1	ANAL	12	HALABI (HALBI)	23	KONDA	34	MANIPURI	45	SANTALI (WEST BENGAL)
2	ANGAMI	13	HMAR	24	KORKU	35	MAO	46	SAVARA (SORA)
3	AO	14	JATAPU (KUVI)	25	KOYA	36	MISHMI	47	SHERPA
4	ASSAMESE	15	JUANG	26	KUI	37	MISING	48	SÜMI (SEMA)
5	BHUTIA	16	KABUI (RONGMEI)	27	KUKI	38	MIZO	49	TAMANG
6	BODO	17	KARBI	28	KURUKH/ORAON	39	MOGH	50	TANGKHUL
7	DEORI	18	KHANDESHI	29	KUWI	40	MUNDARI	51	TANGSA
8	DESIA	19	KHARIA	30	KUZHALE (KHEZHA)	41	NEPALI	52	TIWA (LALUNG)
9	DIMASA	20	KINNAURI	31	LIANGMAI	42	NYISHI (NISSI)	53	TULU
10	GADABA (GUTOB)	21	KISAN (KUNHU)	32	LIMBU	43	RAI	54	WANCHO
11	GARO	22	KODAVA (COORGI/KODAGU)	33	LOTHA	44	SANTALI (ODISHA)		

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
55	ADI	60	HO	65	KOM	70	MARAM	75	RENGMA
56	BHUMIJ	61	KHIAMNIUNGAN	66	KONYAK	71	NOCTE	76	SHINA
57	CHANG	62	KOCH	67	LADAKHI	72	PASHTO	77	TAMIL
58	GONDI	63	KODA (KORA)	68	LEPCHA	73	POCHURY	78	TIBETAN
59	HALAM	64	KOLAMI	69	MARA (LAKHER)	74	RABHA	79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMER DEVELOPMENT IN PROGRESS (45)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
80	ARABIC/ARBI	89	GUJARATI	98	LAHAULI	107	MUNDA	116	SANTALI (JHARKHAND)
81	BALTI	90	HINDI	99	LAHNDA	108	NICOBARESE	117	SINDHI
82	BENGALI	91	KANNADA	100	LAI (PAWI)	109	ODIA	118	TELUGU
83	BHILI/BHILODI	92	KASHMIRI	101	MAITHILI	110	PAITE	119	THADOU
84	BISHNUPURIYA (BISHNUPRIYA MANIPURI)	93	KHASI	102	MALAYALAM	111	PARJI	120	URDU
85	CHAKHESANG	94	KHOND/KONDH	103	MALTO	112	PHOM	121	VAIPHEI
86	CHOKRI	95	KOKBOROK (TRIPURI)	104	MARATHI	113	PUNJABI	122	ZELIANG
87	DOGRI	96	KONKANI	105	MARING	114	SANGTAM	123	ZEME (ZEMI)
88	GANGTE	97	KORWA	106	MONPA	115	SANSKRIT	124	ZOU

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
0821 2515820 (Director) / ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
011 2696 2580 / dceta.ncert@nic.in